निरुद्ध व्यक्ति

२४२. **श्री रघुनाथ सिंह:** क्या गृह-कार्य मंत्री सभा की टेबल पर एक विवरण रखने की कृपा करेंगे जिसमें यह बताया गया हो कि निवारक निरोध अधिनियम के अधीन अभी कितने व्यक्ति राज्यवार निरुद्ध किए गए हैं?

गृह-कार्य उपमंत्री (श्री दातार): मैं लोक सभा की टेबल पर एक विवरण प्रस्तुत करता हूं जिसमें स्थिति, जैसी कि २८-२-१९५५ को थी, बताई गई है। [देखिए परिशिष्ट ६, अनुबन्ध संख्या ७९]

NATIONAL PLAN LOAN

343. Shri D. C. Sharma: Will the Minister of **Finance** be pleased to state:

(a) the amounts contributed by the Government and the people of the Punjab to the National Plan Loan; and

(b) the name of the District that topped the list?

The Parliamentary Secretary to the Minister of Finance (Shri B. R. Bhagat): (a) and (b). The total subscription to the National Plan Loan tendered in Punjab amounted to about Rs. 10 crores. District-wise figures are not available.

SCHOLARSHIPS

344. Chaudhri Muhammed Shaffee: Will the Minister of **Education** be pleased to state:

(a) the names of the Indian students who were given scholarships for study abroad and the names of the countries where they were sent during the year 1954; and

(b) the number of applications received for scholarships (i) from Indian students for studies abroad and (ii) from foreign students for studies in Indian Universities, during the same period?

The Parliamentary Secretary to the Minister of Education (Dr. M. M. Das): (a) 1. Kumari Olive Toppo—U.K.

2. Shri L. K. Pandit—Switzerland.

3. Shri S. K. Trehan—U.S.A.

4. Shri Raj Kumar Verma—U.S.A.

5. Shri Wungmareo Shaiza—U.K.

(b) (i) 254.

(ii) 291.

विदेशों में भारतीय

२४५. **सेठ गोविन्द दास:** क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) कितने व्यक्ति १९५४ में भारतीय नागरिकता छोड़ विदेशों में बसने के लिए गए, और

(ख) उक्त अवधि में कितने व्यक्ति भारतीय नागरिकता ग्रहण करने के ध्येय से भारत आए?

गृह-कार्य उपमंत्री (श्री दातार): (क) तथा (ख). भारतीय नागरिकता को अभी संविधान के अनुच्छेद ५ से ८ तथा९ के अनुसार व्यवस्थित किया जाता है। इनसे निश्चय किया जाता है कि २६ जनवरी, १९५० को कौन भारतीय नागरिक था, जब तक कि विस्तृत नागरिकता विधि न बन जाए। चूंकि २६ जनवरी, १९५० के बाद भारतीय नागरिकता को छोड़ने अथवा स्वीकार करने का कोई संकेत नहीं है अतः मांगे हुए समाचार की संख्या शून्य है।

चीनी सांस्कृतिक मंडल

२४६. **सेठ गोविन्द दास:** क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि चीनी सांस्कृतिक मंडल के स्वागत आदि पर भारत सरकार ने कितना रुपया व्यय किया?

शिक्षा मंत्री के सभासचिव (डा० एम० एम० दास): यह जानकारी इकट्ठी की जा रही है और यथासमय सभा के सामने रख दी जाएगी।